

मेरे बालाजी बलकारी ने शंकर के अवतारी ने



मेरे बालाजी बलकारी ने,
शंकर के अवतारी ने,
दो दो कोठी बणवादी,
मैं घुमूं रोज सफारी में,
मेरे बालाजी बलकारी ने।

सुपने के महान् दिये दिखाई,
न्युं कहं अंजनी लाला जी,
आज्या भक्त तेरे ठाठ करूं,
खोलुं किस्मत का ताला जी,
पुजुं संकटहारी ने,
शंकर के अवतारी ने,
दो दो कोठी बणवादी,
मैं घुमूं रोज सफारी में,
मेरे बालाजी बलकारी ने।

राम धुणी बजराटी के महान्,
और चालती चालीसा,
भजन रंग मस्त रहे जा,
तन मन में घलज्या घी सा,
नौकरी सरकारी में,
शंकर के अवतारी ने,
दो दो कोठी बणवादी,
मैं घुमूं रोज सफारी में,
मेरे बालाजी बलकारी ने।

घर के ऊपर धज्जा लहरावः,
रोग दोष भी दूर रहः,
गलती त ज कोए आ भी जा त,
ऐसा यो मजबूर करः,
आज बणा दिया पुजारी मैं,
शंकर के अवतारी ने,
दो दो कोठी बणवादी,
मैं घुमूं रोज सफारी में,
मेरे बालाजी बलकारी ने।



गाम समाल में कप्तान शर्मा,
जोत जगावः बाबा की,
नरैन्द्र कौशिक करः जागरण,
महिमा गावः बाबा की,
ढाल दिया लहकारी में,
शंकर के अवतारी ने,
दो दो कोठी बणवादी,
मैं घुमूं रोज सफारी में,
मेरें बालाजी बलकारी ने।bd।

मेरे बालाजी बलकारी ने,
शंकर के अवतारी ने,
दो दो कोठी बणवादी,
मैं घुमूं रोज सफारी में,
मेरें बालाजी बलकारी ने।bd।

गायक – नरेंद्र कौशिक जी।
प्रेषक – राकेश कुमार खरक जाटान(रोहतक)
9992976579